B.Ed. IInd year

Knowledge Language and Curriculum

V.V.M. Imp.

TOPIC :- पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान

शिक्षा का प्रारूप पाठ्यक्रम पर आधारित होता है। पाठ्यक्रम के प्रमुख आधार व्यक्ति, समाज, दर्शन और विषय है। सामाजिक दृष्टिकोण, दार्शनिक विचारधाराओं एवं व्यक्तिगत मान्यताओं मे परिवर्तन के साथ शिक्षा भी परिवर्तनशील है।

पाठ्यक्रम के निर्माण का विधिवत कार्य 20वीं शताब्दी के आरम्भ मे आरम्भ हुआ। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात पाठ्यक्रम विकास की संकल्पना विकसित होने के साथ-2 इसके अनेक प्रतिमान भी प्रकाश मे आये।

* पाठ्यक्रम प्रतिमान का अर्थ *

प्रतिमान का अर्थ पाठ्यक्रम के स्वरूप से है। बील्ड की परिभाषा के आधार पर किसी आदर्श लक्ष्य की प्राप्ति स्वरूप निर्धारण को पाठ्यक्रम प्रतिमान कहा जा सकता है। पाठ्यक्रम प्रतिमान का स्वरूप शैक्षिक लक्ष्यो पर आधारित होता है। सामाजिक परिवर्तन के साथ-2 शिक्षा के लक्ष्यो मे भी परिवर्तन होता रहता है, इससे पाठ्यक्रम प्रतिमान भी बदलते रहते हैं। पाठ्यक्रम प्रतिमान मे लक्ष्यो, उद्देश्यो, प्रक्रिया एवं परिस्थितियो को अधिक महत्त्व दिया जाता है।

P.T.O

Scanned with CamScanner

* प्रतिमान का अर्थ *

हिन्दी का प्रतिमान शब्द अंग्रेजी के मॉडल शब्द का पर्यायवाची है। सामान्य जीवन मे हमे विभिन्न वस्तुओ के प्रतिमान या मॉडल देखने को मिलते है।

हेनरी सिसिल विल्ड के अनुसार :-

" किसी आदर्श के अनुरूप व्यवहार को ढालने तथा क्रिया की ओर निर्देशित करने की प्रक्रिया प्रतिमान कहलाती है। "

" प्रतिमान किसी वस्तु व्यक्ति अथवा क्रिया का ऐसा परिकल्पनात्मक या कार्यात्मक रूप है, जिससे उसके वास्तविक स्वरूप का बोध होता है। "

* पाठ्यक्रम प्रतिमान की विशेषताएँ *

⇒ प्रतिमान समस्या समाधान के लिए उपयोगी उपकरण है।

⇒ प्रतिमान उन अवसरो को कम करते है, जो पाठ्यक्रम की विकास प्रक्रिया मे बाधा डालते है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ प्रतिमान समस्या के सही समाधान पाने की संभावना को बढ़ाते है।

⇒ प्रतिमान वैकल्पिक स्रोत के मूल्यांकन को बढ़ाते हैं।

⇒ प्रतिमान कुशलता को बढ़ाते हैं, ताकि पाठ्यक्रम निर्माण के लिए जो भी कदम उठाएँ जाये वे सही हो।

⇒ ये सम्प्रेषण की पारदर्शिता और निर्णय लेने मे सुधार लाते हैं।

* Complete this topic next turn.

Thanksgiving

By
Mr. Parveen Roy
Asso. Pro.
B.R.C. Deoband

Scanned with CamScanner